NEWSLETTER

Saturday, 30 November 2024, Volume - 125

NORTH : **CENTRAL :** **SOUTH :** **GOLD : 77121 SILVER : 91150 CRUD : 5811**

कपास: कृषि, व्यापार और बीमा का अभिन्न संबंध

कपास, जिसे "सफेद सोना" कहा जाता है, कृषि, व्यापार, और कपड़ा उद्योग का मुख्य आधार है। यह फसल न केवल किसानों की आय का प्रमुख स्रोत है, बल्कि व्यापारियों और प्रोसेसर के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। कपास उत्पादन और व्यापार में जनरल प्रोसेसर, ट्रांजिट इंश्योरेंस, और स्टॉक इंश्योरेंस जैसे घटक इसकी स्थिरता और सफलता में अहम भूमिका निभाते हैं।

1. जनरल प्रोसेसर की भूमिका और उपयोगिता

जनरल प्रोसेसर कपास की प्रसंस्करण प्रक्रिया का एक प्रमुख हिस्सा है।

- गुणवत्ता सुधार : कच्चे कपास से गंदगी और अशुद्धियों को हटाकर इसे उच्च गुणवत्ता का बनाता है।
- प्रसंस्करण चरण : जिनिंग, प्रेसिंग और बेलिंग जैसे कार्यों को सुनिश्चित करता है।
- स्टोरेज और ट्रांसपोर्ट : कपास को सुरक्षित स्टोर और परिवहन के लिए तैयार करता है।

2. कपास ट्रांजिट इंश्योरेंस: व्यापारिक सुरक्षा

कपास के परिवहन के दौरान संभावित जोखिमों को कवर करने के लिए ट्रांजिट इंश्योरेंस आवश्यक है।

मुख्य उपयोगिता:
प्राकृतिक आपदाएं, चोरी, और दुर्घटनाओं से बचाव।
व्यापारियों और प्रोसेसर को आर्थिक सुरक्षा।
शिपमेंट ट्रैकिंग और बेहतर योजना।

कवरेज के प्रकार:
- डॉमेस्टिक ट्रांसपोर्ट: देश के भीतर सड़क, रेल, या जल परिवहन।

- इंटरनेशनल शिपमेंट: निर्यात के लिए समुद्री और वायु परिवहन।

3. कपास स्टॉक इंश्योरेंस: भंडारण की सुरक्षा

स्टॉक इंश्योरेंस कपास को गोदाम, फैक्ट्री, या प्रोसेसिंग यूनिट्स में स्टोरेज के दौरान संभावित नुकसान से बचाने के लिए लिया जाता है।

मुख्य उपयोगिता :
आग, बाढ़, और अन्य आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान से बचाव।
गोदामों में स्टोरेज के दौरान बेहतर प्रबंधन ।
व्यापार निरंतरता सुनिश्चित करता है।

कवरेज के प्रकार :
आग, बाढ़, तूफान, चोरी और तोड़फोड़।
विशेष योजनाओं में कीट या संक्रमण से सुरक्षा।
बीमा का कपास व्यापार में महत्व
- जोखिम प्रबंधन : किसानों, व्यापारियों और प्रोसेसर को उत्पादन, परिवहन, और भंडारण में जोखिम से बचाव।

शिपिंग बीमा का महत्व
वित्तीय सुरक्षा: निर्यातकों और आयातकों को महत्वपूर्ण नुकसान से बचाता है।
व्यापार अनुपालन: अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध आवश्यकताओं को पूरा करता है, खरीदार और विक्रेता दोनों के लिए सुरक्षा प्रदान करता है।
सुचारू व्यापार: लंबी दूरी के परिवहन के दौरान आत्मविश्वास बनाता है और जोखिम कम करता है।

कपास निर्यात और आयात में शिपिंग बीमा: सुरक्षित वैश्विक व्यापार सुनिश्चित करना

शिपिंग बीमा कपास निर्यात और आयात प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो पारगमन के दौरान संभावित जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करता है। थोक वस्तु के रूप में कपास की स्थिति को देखते हुए, इसे कई परिवहन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे वित्तीय हितों को सुरक्षित करने के लिए बीमा आवश्यक हो जाता है।

निष्कर्ष

कपास उद्योग के स्थायित्व के लिए जनरल प्रोसेसर, ट्रांजिट इंश्योरेंस, और स्टॉक इंश्योरेंस जैसे घटकों का समुचित उपयोग जरूरी है। इनसे न केवल उत्पादन और व्यापार को बढ़ावा मिलता है, बल्कि किसानों और व्यापारियों की आय और स्थिरता भी सुनिश्चित होती है।

कपास बाजार की साप्ताहिक गतिविधि पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 30.11.2024			
ICE COTTON			
MONTH	22.11.24	29.11.24	WEEKLY CHANGE
MAR'25	70.77	71.93	1.16
MAY'25	71.89	72.98	1.09
MCX (COTTON)			
JAN	55900	55870	-30
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1529	1535.5	7
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2711	2724	13
JAN	2708	2744	36
FEB	2707	2770	63
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	84.45	84.48	0.03
PAK (Pakistani Rupee)	277.694	277.99	0.296
CNY (Chinese yuan)	7.24542	7.24229	-0.00313
BRAZIL (Real)	5.80089	5.97430	0.17341
AUSTRALIAN Dollar	1.53800	1.53574	-0.00226
MALAYSIAN RINGGITS	4.46799	4.46799	0
COTLOOK "A" INDEX	80.95	82.00	1.05
BRAZIL COTTON INDEX	67.48	67.53	0.05
USDA SPOT RATE	65.73	66.97	1.24
MCX SPOT RATE	54260	54860	600
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	17400	-100
GOLD ($)	2718.20	2673.90	-44.3
SILVER ($)	31.405	31.100	-0.305
CRUDE ($)	70.70	68.14	-2.56

इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिकांश हिस्सों में तेजी का रुझान देखने को मिला।

जहां मार्च में 1.16 सेंट, और मई में 1.09 सेंट की बढ़त दर्ज हुई।

वहीं भारतीय बाजार में MCX पर कॉटन के दामों में जनवरी माह में 30 रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

NCDEX पर कपास के भाव 07 रुपये प्रति 20 किलो तक बड़े, वहीं खल के भाव में दिसंबर में 13 रुपये, जनवरी में 36 रुपये, और फरवरी में 63 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गई।

दूसरे देशों के कॉटन मार्केट की बात करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त हुई, USDA स्पॉट रेट में 1.24 सेंट की बढ़त दर्ज हुई, MCX स्पॉट रेट में 600 रुपये प्रति कैंडी की बढ़त देखने को मिली।

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91116 77771

DATE: 30.11.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	25-11-2024		30-11-2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5'650	5'660	5'720	5'730	70
HARYANA	27.5/28	5'630	5'630	5'715	5'715	85
UPPER RAJASTHAN	28	5'630	5'650	5'700	5'720	70
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54'500	54'800	54'300	54'800	0
MADHYA PRADESH	29	53'800	54'000	54'300	54'500	500
MAHARASHTRA	30	54'500	55'000	54'700	55'500	500
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	54'600	54'700	55'100	55'200	500
KARNATAKA	29.5+	53'500	53'700	53'800	54'000	300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	53'000	53'500	54'500	54'500	1'000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	53'500	54'000	54'200	54'800	800
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

इस सप्ताह रुई बाजार में बढ़त वाला रुख देखने को मिला।

इस सप्ताह रुई बाजार में बढ़त वाला रुख देखने को मिला।

नॉर्थ ज़ोन के पंजाब में 70 रुपये, हरियाणा में 85 रुपये, और अपर राजस्थान में 70 रुपये प्रति मन तक की बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, सेंट्रल ज़ोन के मध्यप्रदेश में 500 रुपये, महाराष्ट्र में 500 रुपये प्रति कैंडी की बढ़त देखी गई तथा गुजरात में स्थिरता रही।

साउथ ज़ोन के कर्नाटक, ओडिशा में 300-500 रुपये प्रति कैंडी की बढ़त आई, और तेलंगाना, आँध्रप्रदेश में 800-1,000 रुपये प्रति कैंडी की बढ़त देखने को मिली।

सीसीआई खरीद में आ रही बाधाओं के बीच कपास किसानों ने केंद्र से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया

विजयवाड़ा: आंध्र प्रदेश में कपास किसानों को बढ़ती परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) ने उच्च नमी सामग्री का हवाला देते हुए उनकी उपज को अस्वीकार कर दिया है। खरीद में देरी ने किसानों को बिचौलियों और निजी व्यापारियों के हाथों में छोड़ दिया है, जो इस स्थिति का फायदा उठाकर काफी कम कीमतों पर कपास खरीद रहे हैं, जिससे उत्पादकों को काफी नुकसान हो रहा है। केंद्र ने चालू फसल सीजन के लिए 7,521 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा की थी। हालांकि, सीसीआई की हिचकिचाहट के कारण, किसानों को अपनी उपज स्थानीय व्यापारियों को 5,000-5,500 रुपये प्रति क्विंटल के कम मूल्य पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें 2,000-2,500 रुपये प्रति क्विंटल का नुकसान हो रहा है।

किसानों ने जानबूझकर देरी के लिए सीसीआई को दोषी ठहराया

किसानों का आरोप है कि सीसीआई के अधिकारी निजी व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए जानबूझकर स्टॉक को अस्वीकार कर रहे हैं। सीसीआई ने राज्य भर में जिनिंग मिलों में लगभग 60 खरीद केंद्र और 11 केंद्र मार्केट यार्ड में स्थापित किए हैं, लेकिन अस्वीकृति दर असामान्य रूप से उच्च बनी हुई है। कई उत्पादक, अपनी अस्वीकृत उपज को वापस घर ले जाने के परिवहन लागत को वहन करने में असमर्थ हैं, इसलिए उनके पास व्यापारियों से कम कीमत पर खरीद स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

"सीसीआई अधिकारियों और निजी निर्यातकों के बीच मिलीभगत स्पष्ट है। किसानों का समर्थन करने के बजाय, वे निजी खिलाड़ियों को स्थिति का फायदा उठाने के अवसर प्रदान कर रहे हैं," सीपीआई(एम) के जिला सचिव पासम रामाराव ने आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने और खरीद संबंधी मुद्दों को सुधारने का आग्रह किया है। कृषि मंत्री के. अत्चन्नायडू ने जोर देकर कहा कि सीसीआई को अपने संचालन को सुव्यवस्थित करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि किसानों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। नायडू ने पहले ही केंद्रीय कृषि मंत्री गिरिराज सिंह के ध्यान में यह मुद्दा लाया है, और सीसीआई अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई और स्पष्ट निर्देश देने का अनुरोध किया है।

बदलते बाजार की गतिशीलता

हाल के वर्षों में, कपास की उच्च वैश्विक मांग ने CCI को काफी हद तक निष्क्रिय बना दिया था, जिसमें 90-95% फसल निजी खिलाड़ियों द्वारा MSP से अधिक कीमतों पर खरीदी जा रही थी, जो अक्सर ₹10,000-₹12,000 प्रति क्विंटल तक पहुँच जाती थी। हालाँकि, चालू सीजन में कीमतें गिरकर ₹5,000 प्रति क्विंटल पर आ गई हैं, जिससे CCI को कदम उठाना पड़ा है। किसान सरकारी खरीद के माध्यम से राहत के बारे में आशावादी थे, लेकिन अब उच्च अस्वीकृति दर और देरी से निराश हैं।

मंत्रिस्तरीय समीक्षा से सीमित परिणाम मिले

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री पेम्मासनी चंद्रशेखर ने हाल ही में CCI अधिकारियों के साथ कपास खरीद प्रक्रिया की समीक्षा की और उनसे अधिक लचीला दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। हालाँकि, CCI का कहना है कि वह केंद्र द्वारा निर्धारित खरीद मानदंडों से बंधा हुआ है।

निष्पक्ष व्यवहार का आह्वान

चूँकि निजी व्यापारी किसानों की परेशानी का फ़ायदा उठाना जारी रखे हुए हैं, इसलिए CCI से सद्भावनापूर्वक काम करने और MSP प्रदान करने के अपने आदेश का पालन करने की माँग बढ़ रही है। किसान नेता और राजनीतिक प्रतिनिधि इस बात पर ज़ोर देते हैं कि केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और निष्पक्ष और समय पर खरीद सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि कृषक समुदाय के हितों की रक्षा हो सके।

NEWS OF THE WEEK

तेलंगाना में कपास किसान कम पैदावार और खराब रिटर्न से जूझ रहे हैं

पिंक बॉलवर्म संक्रमण और बेमौसम बारिश ने बढ़ाई परेशानी
तेलंगाना में कपास किसान इस मौसम में कई चुनौतियों से जूझ रहे हैं, जिसमें घटती पैदावार से लेकर उनकी उपज पर खराब रिटर्न तक शामिल है। देर से हुई बारिश ने न केवल फसल को नुकसान पहुंचाया, बल्कि नमी के स्तर को भी बढ़ा दिया, जिससे गुणवत्ता और बाजार मूल्य में गिरावट आई।

डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने सीसीआई से किसानों से कपास की खरीद सुनिश्चित करने का आह्वान किया

नई दिल्ली के संचार भवन में मंगलवार को सीसीआई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ललित कुमार गुप्ता के साथ बैठक के दौरान डॉ. चंद्रशेखर ने किसानों की चिंताओं को दूर करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नमी की मात्रा जैसे मुद्दों के कारण कपास के स्टॉक को अस्वीकार किए बिना खरीदने के लिए सक्रिय उपाय करने का आह्वान किया, जिससे कृषक समुदाय के प्रति निष्पक्षता पर जोर दिया जा सके।

बढ़ाएं अपना व्यापार

इंडस्ट्री से जुड़े 50 हज़ार से ज़्यादा लोगों तक पहुचाएं अपने व्यापार की हर जानकारी हमारे माध्यम से पाएं अपने व्यापार को बढ़ाने का

जानकारी के लिये संपर्क करें :-
+91-9111677775

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	25.11.24	26.11.24	27.11.24	28.11.24	29.11.24	30.11.2024
PUNJAB	600	500	600	600	600	600
HARYANA	3'000	4'000	4'000	4'000	4'000	4'000
UPPER RAJASTHAN	4'000	4'000	4'500	4'000	4'500	5'000
LOWER RAJASTHAN	7'500	7'500	5'400	5'500	5'300	5'300
NORTH ZONE	15'100	16'000	14'500	14'100	14'400	14'900
GUJARAT	25'000	22'000	25'000	25'000	26'000	23'000
MADHYA PRADESH	18'000	17'500	16'000	15'500	17'000	15'000
MAHARASHTRA	27'000	28'000	35'000	30'000	35'000	38'000
CENTRAL ZONE	70'000	67'500	76'000	70'500	78'000	76'000
KARNATAKA	25'000	20'000	20'000	17'000	16'000	14'000
ANDHRA PRADESH	12'000	12'000	12'000	12'000	12'000	8'000
TELANGANA	80'000	85'000	80'000	85'000	85'000	25'000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	1'17'000	1'17'000	1'12'000	1'14'000	1'13'000	47'000
ODISHA	500	700	700	400	800	800
TOTAL	2'02'600	2'01'200	1'24'150	1'00'200	2'06'200	1'38'700
ARRIVAL IN 170 Kg.						

NEWSLETTER

Saturday, 30 November 2024, Volume - 125

NORTH : **CENTRAL :** **SOUTH :** | **GOLD : 77121** **SILVER : 91150** **CRUD : 5811**

Cotton: Integral Relationship of Agriculture, Trade, and Insurance

Cotton, known as "white gold", is the mainstay of agriculture, trade, and textile industry. This crop is not only the major source of income for farmers but also provides significant opportunities for traders and processors. Components such as General Processor, Transit Insurance, and Stock Insurance play a key role in the sustainability and success of cotton production and trade.

1. Role and Utility of General Processor

General Processor is a key part of the cotton processing process.
• Quality Improvement: Makes raw cotton of high quality by removing dirt and impurities from it.
• Processing Stage: Ensures operations such as ginning, pressing, and baling.
• Storage and Transport: Makes cotton ready for safe storage and transportation.
• Increase in Market Price: Higher quality product fetches better price.

2. Cotton Transit Insurance: Trade Protection

Transit insurance is essential to cover potential risks during transportation of cotton.

Main Utility:
Protection from natural calamities, theft, and accidents.
Economic protection to traders and processors.
Shipment tracking and better planning.

Types of coverage:

• Domestic transport: Road, rail, or water transport within the country.

• International shipment: Sea and air transport for export.

3. Cotton stock insurance: Storage protection

Stock insurance is taken to protect cotton from potential losses during storage in warehouses, factories, or processing units.
Main utility:
Protection against losses due to fire, flood, and other calamities.
Better management during storage in warehouses.
Ensures business continuity.

Types of coverage:
Fire, flood, storm, theft, and vandalism.
Protection against pests or infestations in special plans.
Importance of insurance in cotton trade
• Risk management: Protects farmers, traders, and processors from risks in production, transportation, and storage.

Shipping Insurance in Cotton Exports and Imports: Ensuring Safe Global Trade

Shipping insurance is a critical component of the cotton export and import process, providing protection against potential risks during transit. Given cotton's status as a bulk commodity, it faces many transportation challenges, making insurance essential to secure financial interests.

Importance of Shipping Insurance
Financial Protection: Protects exporters and importers from significant losses.
• Trade Compliance: Meets international contract requirements, providing protection for both buyer and seller.
• Smooth Trade: Builds confidence and reduces risk during long-distance transportation.
• Customizable Coverage: Customized policies to address specific shipping risks.

Conclusion
Proper use of components like General Processor, Transit Insurance, and Stock Insurance is essential for the sustainability of the cotton industry. These not only boost production and trade but also ensure income and stability of farmers and traders.

look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 30.11.2024			
ICE COTTON			
MONTH	22.11.24	29.11.24	WEEKLY CHANGE
MAR'25	70.77	71.93	1.16
MAY'25	71.89	72.98	1.09
MCX (COTTON)			
JAN	55900	55870	-30
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1529	1535.5	7
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2711	2724	13
JAN	2708	2744	36
FEB	2707	2770	63
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	84.45	84.48	0.03
PAK (Pakistani Rupee)	277.694	277.99	0.296
CNY (Chinese yuan)	7.24542	7.24229	-0.00313
BRAZIL (Real)	5.80089	5.97430	0.17341
AUSTRALIAN Dollar	1.53800	1.53574	-0.00226
MALAYSIAN RINGGITS	4.46799	4.46799	0
COTLOOK "A" INDEX	80.95	82.00	1.05
BRAZIL COTTON INDEX	67.48	67.53	0.05
USDA SPOT RATE	65.73	66.97	1.24
MCX SPOT RATE	54260	54860	600
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	17400	-100
GOLD ($)	2718.20	2673.90	-44.3
SILVER ($)	31.405	31.100	-0.305
CRUDE ($)	70.70	68.14	-2.56

This week, a bullish trend was seen in most parts of the international market.

Whereas there was a rise of 1.16 cents in March and 1.09 cents in May.

On the other hand, in the Indian market, the price of cotton on MCX fell by Rs 30 in January.

The price of cotton increased by Rs 07 per 20 kg on NCDEX, while the price of oil cake increased by Rs 13 in December, Rs 36 in January and Rs 63 per quintal in February.

Talking about the cotton market of other countries, there was an increase in the Cotlook "A" index, USDA spot rate increased by 1.24 cents, MCX spot rate saw an increase of Rs 600 per candy.

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91116 77771

DATE: 30.11.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	25-11-2024		30-11-2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5'650	5'660	5'720	5'730	70
HARYANA	27.5/28	5'630	5'630	5'715	5'715	85
UPPER RAJASTHAN	28	5'630	5'650	5'700	5'720	70
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54'500	54'800	54'300	54'800	0
MADHYA PRADESH	29	53'800	54'000	54'300	54'500	500
MAHARASHTRA	30	54'500	55'000	54'700	55'500	500
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	54'600	54'700	55'100	55'200	500
KARNATAKA	29.5+	53'500	53'700	53'800	54'000	300
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	53'000	53'500	54'500	54'500	1'000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	53'500	54'000	54'200	54'800	800
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

This week, the cotton market witnessed a rising trend.

This week, the cotton market witnessed a rising trend.

In the North Zone, Punjab witnessed a rise of Rs. 70, Haryana Rs. 85 and Upper Rajasthan Rs. 70 per maund.

In the Central Zone, Madhya Pradesh witnessed a rise of Rs. 500, Maharashtra Rs. 500 per candy and Gujarat remained stable.

In the South Zone, Karnataka and Odisha witnessed a rise of Rs. 300-500 per candy and Telangana and Andhra Pradesh witnessed a rise of Rs. 800-1,000 per candy.

Cotton Farmers Urge Centre's Intervention Amid CCI Procurement Hurdles

Vijayawada: Cotton farmers in Andhra Pradesh face mounting distress as the Cotton Corporation of India (CCI) rejects their produce, citing high moisture content. The delays in procurement have left farmers vulnerable to middlemen and private traders, who are exploiting the situation to purchase cotton at significantly reduced prices, causing substantial losses to growers.

The Centre had announced a Minimum Support Price (MSP) of ₹7,521 per quintal for the current crop season. However, due to CCI's hesitance, farmers are forced to sell their produce to local traders for as low as ₹5,000–₹5,500 per quintal, resulting in losses of ₹2,000–₹2,500 per quintal.

Farmers Blame CCI for Deliberate Delays

Farmers allege that CCI officials are intentionally rejecting stocks to benefit private traders. While CCI has established around 60 procurement centres at ginning mills and 11 centres at market yards across the state, the rejection rate remains unusually high. Many growers, unable to afford the transportation costs of taking their rejected produce back home, are left with no choice but to accept low offers from traders.

"The connivance between CCI officials and private exporters is evident. Instead of supporting farmers, they are creating opportunities for private players to exploit the situation," alleged CPI(M) district secretary Pasam Ramarao.

Chief Minister Calls for Immediate Action

Chief Minister N. Chandrababu Naidu has urged the Union government to intervene and rectify the procurement issues. Agriculture Minister K. Atchannaidu emphasized that CCI must streamline its operations to ensure that farmers are not subjected to unnecessary hardships. Naidu has already brought the issue to the attention of Union Agriculture Minister Giriraj Singh, requesting urgent action and clear instructions to CCI officials.

Shifting Market Dynamics

In recent years, high global demand for cotton had rendered CCI largely inactive, with 90–95% of the crop being purchased by private players at prices exceeding MSP, often reaching ₹10,000–₹12,000 per quintal. However, the current season has seen prices plummet to ₹5,000 per quintal, prompting CCI to step in. Farmers were optimistic about relief through government procurement but are now disheartened by the high rejection rates and delays.

Ministerial Review Yields Limited Results

Union Minister for Rural Development Pemmasani Chandrasekhar recently reviewed the cotton procurement process with CCI officials and urged them to adopt a more flexible approach. However, CCI maintains that it is bound by procurement norms set by the Centre.

A Call for Fair Practices

As private traders continue to exploit the farmers' distress, there is growing demand for CCI to act in good faith and adhere to its mandate of providing MSP. Farmer leaders and political representatives stress the urgent need for the Union government to intervene and ensure fair and timely procurement, safeguarding the interests of the farming community.

NEWS OF THE WEEK

Cotton farmers in Telangana grapple with low yields and poor returns

Pink bollworm infestation and unseasonal rains add to woes

Cotton farmers in Telangana are grappling with several challenges this season, ranging from declining yields to poor returns on their produce. The late rains not only damaged the crop but also increased the moisture level, leading to a drop in quality and market price.

Dr Chandrasekhar Pemmasani calls on CCI to ensure procurement of cotton from farmers

During a meeting with CCI Chairman and Managing Director Lalit Kumar Gupta at Sanchar Bhavan in New Delhi on Tuesday, Dr Chandrasekhar emphasised the importance of addressing the concerns of farmers. He called for proactive measures to procure cotton stocks without rejecting them due to issues such as moisture content, thereby emphasising fairness towards the farming community.

Grow your business now

Get every information about your business to more than 50 thousand people related to the industry. Get a golden opportunity to grow your business through us.

For more information, contact-
+91-9111677775

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	25.11.24	26.11.24	27.11.24	28.11.24	29.11.24	30.11.2024
PUNJAB	600	500	600	600	600	600
HARYANA	3'000	4'000	4'000	4'000	4'000	4'000
UPPER RAJASTHAN	4'000	4'000	4'500	4'000	4'500	5'000
LOWER RAJASTHAN	7'500	7'500	5'400	5'500	5'300	5'300
NORTH ZONE	15'100	16'000	14'500	14'100	14'400	14'900
GUJARAT	25'000	22'000	25'000	25'000	26'000	23'000
MADHYA PRADESH	18'000	17'500	16'000	15'500	17'000	15'000
MAHARASHTRA	27'000	28'000	35'000	30'000	35'000	38'000
CENTRAL ZONE	70'000	67'500	76'000	70'500	78'000	76'000
KARNATAKA	25'000	20'000	20'000	17'000	16'000	14'000
ANDHRA PRADESH	12'000	12'000	12'000	12'000	12'000	8'000
TELANGANA	80'000	85'000	80'000	85'000	85'000	25'000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	1'17'000	1'17'000	1'12'000	1'14'000	1'13'000	47'000
ODISHA	500	700	700	400	800	800
TOTAL	2'02'600	2'01'200	1'24'150	1'00'200	2'06'200	1'38'700
ARRIVAL IN 170 Kg.						